Tc.No.: GUJHIN00722

दैनिक

क्रांति समय

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480

E-mail: krantisamay@gmail.com

सूरत, वर्ष: 1 अंक: 41, मंगलवार, 06 मार्च 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.

ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात

सार समाचार

CBSE 10वीं, 12वीं की बोर्ड परीक्षा में शामिल हुए 28 लाख छात्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (CBSE) बोर्ड की 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षा सोमवार यानी 5 मार्च 2018 से शुरू हो रही हैं। इस साल इस परीक्षा में 28 लाख छात्र हिस्सा ले रहे हैं। बोर्ड के अधिकरियों ने मीडिया को बताया कि इस बार 10वीं के लिए 16,38,428 उम्मीदवारों ने रजिस्ट्रेशन कराया था जबकि 12वीं के लिए 11,86,306 उम्मीदवारों ने रजिस्ट्रेशन कराया था। करीब 7 सालों बाद पहली बार सीबीएसई के 10वीं के छात्र बोर्ड परीक्षा बैठेंगे। बता दें कि इस साल सरकार ने इवैल्युएशन सिस्टम को को हटाकर बोर्ड परीक्षा का नियम लागू किया था। इस परीक्षा के लिए इस साल देशभर में 4,453 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं जबकि देश के बाहर भी 78 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। इसी प्रकार 12वीं के लिए 4138 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं।

बीमार बच्चे ले जा सकते हैं खाने पीने का सामान

बोर्ड ने बताया कि जिन छात्रों को डायबिटीज की समस्या है वह खाने-पीने का सामान और पानी की बोटल परीक्षा हॉल में ला सकते हैं। हालांकि उन्हें चॉकलेट, कैंडी और सैंड्विच आदि ले जाने की इजाजत नहीं है।

रुहेलखंड विश्वविद्यालय की परीक्षाएं शुरू, पहले ही दिन 10 मिनट लेट

मुरादाबाद (एजेंसी)। रूहेलखंड विवि की परीक्षाएं मुरादाबाद, रामपुर, अमरोहा और संभल के जिलों में भी शुरू हो गईं। पहला दिन चुनौती भरा रहा। मुरादाबाद में विवि की रोल लिस्ट में गड़बड़ी होने के चलते परीक्षार्थियों को खासी दिक्कत का सामना करना पड़ा 7 हालांकि कॉलेजों ने कॉलेज लिस्ट से मिलान करके सत्यापन किया और परीक्षा के लिए अनुमति प्रदान की 7 ये हाल सभी कॉलेजों में रहा 7 सबसे ज्यादा परीक्षार्थी हिन्दू कॉलेज में थे 7 पहली पाली में कोई नकलची नहीं पकड़ा गया 7 अकेले हिन्दू कॉलेज में 7000 परीक्षार्थी पंजीकृत थे 7 कॉलेज के बाहर ही जूते मोजे उतरवा दिए गए थे 7 पुलिस भी मुस्तैद रही 7 कॉलेजों के आसपास फोटो स्टेट की दुकानें भी बंद रहीं 7 पहले दिन की परीक्षा दस मिनट विलंब से शुरू हुई हालांकि परीक्षार्थियों को अतिरिक्त समय दिया गया।

बरेली : सपा नेता ने की सब्जी वाले की पीट-पीटकर हत्या, सीमा विवाद में उलझी रही पुलिस

बरेली। बरेली के सरायतल्फी में सोमवार सुबह दबंगों ने एक सब्जी वालो की पीट-पीटकर हत्या कर दी। घटना के बाद गांव में बवाल हो गया। हत्या के बाद आरोपी अपने घरों से फरार हो गए। किला पुलिस ने गांव में तनाव को देखते हुए पुलिस तैनात कर दी है। ठेकेदार और उसके भाइयों के खिलाफ थाना किला में हत्या की तहरीर दी गई है। जानकारी के अनुसार, किला के सरायतल्फी गांव के रहने वाले बाबूराम यादव निगम मंडी में सब्जी की दुकान चलाते थे। उनका रुपयों को लेकर गांव के सुलभ शौचालय के ठेकेदार चरन सिंह से विवाद चल रहा था। चरन सिंह ने 50 हजार रुपये ब्याज पर बाबूराम को दिए थे। कई दिनों से चरन सिंह अपने रुपये वापस मांग रहा था।

भाजपा पार्षद को पीटने के आरोप में मेयर यशपाल राणा गिरफ्तार

बाबूराम का कहना था कि वह असल और ब्याज दोनों दे चुका है। इसको लेकर दोनों में झगड़ा बढ़ता गया। सोमवार सुबह बाबूराम निगम मंडी में सब्जी लेने जा रहा था। इसी दौरान ठेकेदार चरन सिंह और उनके भाइयों ने बाबूराम को घेर लिया और लाठी-डंडों से पीट-पीटकर उसकी हत्या कर दी। बाबूराम की चीख सुनकर गांव के लोग दौड़ पड़े। इसके बाद हमलावर वहां से फरार हो गए। मामले की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हत्यारोपी सुलभ शौचालय का ठेकेदार चरन सिंह सपा का नेता बताया जा रहा है। उसके घर भी सपा का झंडा लगा है।

सीमा विवाद में उलझी तीन थानों की पुलिस

बाबूराम की हत्या सरायतल्फी गांव के बाहर की गई। वहां सीबीगंज, किला और सुभाषनगर थाने की सीमाएं लगती हैं। हत्या को लेकर तीनों थानों की पुलिस में सीमा विवाद हो गया। बाद में एसपी सिटी वहां पहुंच गए। इसके बाद घटनास्थल किला थाने का निकला। सीमा विवाद निपटने के बाद थाना पुलिस ने मामले में कार्रवाई शुरू कर दी है।

»» शोपियां फायरिंग केस:

कोर्ट ने मेजर आदित्य के खिलाफ जांच पर रोक लगाई, अगली सुनवाई 24 अप्रैल को

नई दिल्ली (एजेंसी)। शोपियां में हुई गोलीबारी मामले में सुप्रीम कोर्ट ने आज सुनवाई की। सुप्रीम कोर्ट ने मेजर आदित्य के खिलाफ सभी जांच पर रोक लगा दी है। मामले में अगली सुनवाई अब 24 अप्रैल को होगी। सुप्रीम कोर्ट ने मेजर आदित्य के खिलाफ हुए एफ आईआर पर रोक लगा दी है। कोर्ट ने केंद्र व जम्मू-कश्मीर सरकार से दो हफ्तों में जवाब मांगा है। साथ ही निर्देश दिया है कि मेजर आदित्य के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जाए। आपको बता दें कि पुलिस द्वारा सेना के मेजर आदित्य कुमार पर दर्ज की गई एफआईआर को खारिज करने की मांग करते हुए उनके पिता ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

लेफ्टिनेंट कर्नल करमवीर सिंह ने कहा है कि 10 गढ़वाल राइफल्स में मेजर उनके बेटे को एफआईआर में गलत और मनमाने ढंग से नामजद किया गया है, क्योंकि यह घटना अफस्पा वाले एक क्षेत्र में सैन्य ड्यूटी पर जा रहे सैन्य काफिले से जुड़ी है। इस सैन्य काफिले को घेर कर भीड़ ने उस पर पथराव किया जिससे कई सैन्य वाहन क्षतिग्रस्त हो गए।

सिंह की अर्जी कहती है कि उनके बेटे का इरादा केवल सैन्य कर्मियों और संपत्ति को बचाना था तथा आतंकी गतिविधि पर उतरी हिंसक भीड़ से बचने के वास्ते ही गोलियां चलायी गई थी। अर्जी के अनुसर भीड़ से चले जाने और सेना के काम में बाधा नहीं डालने तथा सरकारी संपत्ति को नुकसान नहीं पहुंचाने का अनुरोध किया गया। लेकिन जब स्थिति नियंत्रण के बाहर चली गई तब चेतावनी जारी की गई। ऐसे में जब हिंसक भीड़ ने एक जूनियर कमीशन प्राप्त अधिकारी को पकड़ लिया और उसे पीट-पीट कर मार डालने पर उतर आई तो भीड़ को हटाने के लिए चेतावनी में गोलियां चलाई गई।

सिंह ने जम्मू कश्मीर की स्थित से शीर्ष अदालत को अवगत करने के लिए पिछले साल भीड़ द्वारा डीएसपी मोहम्मद अयुब पंडित की पिटाई का भी हवाला दिया। उन्होंने यह बताना चाहा कि सेना के अधिकारी कश्मीर में हिंसक भीड़ को नियंत्रित करने के लिए किस स्थिति में काम कर रहे हैं। अर्जी में कहा गया है कि याचिकाकर्ता को जमीनी स्तर पर प्रतिकूल स्थिति के मद्देनजर सीधे इस अदालत में यह रिट याचिका दायर कर एफआईआर रद्द कराने की मांग करनी पड़ी। राज्य में नेता और प्रशासनिक अधिकारी एफआईआर को जिस तरह पेश कर रहे हैं वह राज्य की बिल्कुल प्रतिकूल स्थिति को परिलक्षित करता है। ऐसे में याचिकाकर्ता के पास अपने बेटे के मौलिक अधिकारों की रक्षा के वास्ते संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत इस अदालत में आने के सिवा कोई रास्ता नहीं बचता।

मेजर कुमार समेत सेना की 10 गढ़वाल यूनिट के कर्मियों पर रणबीर दंड संहिता की धारा 302 (हत्या) और 307(हत्या के प्रयास) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गयी है। दरअसल शोपिया के गनोवपोरा गांव में जब सैन्य कर्मियों ने पथराव कर रही भीड़ पर गोलिया चलाई थीं तब दो नागरिक मारे गए थे। उसके बाद मुख्यमंत्री ने इस घटना की जांच का आदेश दिया था।

मुरादाबाद : बेटी होने से गुस्साए पति ने पत्नी के चेहरे पर तेजाब फेंका

मुरादाबाद। मुरादाबाद में बेटी होने के चलते पति द्वारा एक महिला के चेहरे पर तेजाब फेंकने का दर्दनाक मामला सामने आया है। गंभीर हालत में महिला को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डॉक्टरों ने उसकी हालत नाजुक बताई है। इस संबंध में सिविल लाइंस थाने में शिकायत दी गई है। पुलिस आरोपी की तलाश में दबिश दे रही है। मामला सिविल लाइंस के बसेरा कॉलोनी का है। नागफनी के न्यारियान मोहल्ला निवासी फराह की शादी चक्कर की मिलक निवासी सिराज के साथ हुई थी। शादी के कुछ दिन बाद फराह ने एक बेटी मुस्कान को जन्म दिया। इसके बाद से ही ससुराल वाले उसका उत्पीड़न करने लगे। छोटी-छोटी बातों पर उसके साथ मारपीट की जाती थी और उसे तरह-तरह से यातनाएं दी जाती थीं। परेशान होने पर पीड़िता ने सिविल लाइंस पुलिस से भी गुहार लगाई थी। उस वक्त पुलिस ने मामले में समझौता करा दिया था। 4 दिन पूर्व भी सास नसीम जहां ने फराह को ताने देने शुरू कर दिए। उसने बेटे सिराज को भी खूब खरी-खोटी सुनाई।

पीलीभीत : वन विभाग ने पकड़ा कातिल बाघ, खेत में गई महिला बनी थी शिकार

पीलीभीत। पीलीभीत में लोगों के लिए मुसीबत बन चुके बाघ को वन विभाग की टीम ने पकड़ने में कामयाबी हासिल की है। वन विभाग ने कड़ी मसक्कत के बाद टाइगर को घायल कर दिया। बता दें कि छोटी बहन के साथ गांव के बाहर खेत में शौच करने गई महिला को बाघ ने अपना निवाला बना लिया था। बाघ को देखकर मृतका की छोटी बहन डर गई और भागते हुए गांव वालों की इसकी सूचना दी। मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने समूह बनाकर गन्ने के खेत को चारों ओर से घेर लिया। घटना की सूचना मिलते ही माधोटांडा थाना पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। इसके बाद डीएफओ ने टीम के साथ जाकर खेत में शव को देखा और लोगों से जानकारी ली। घटना को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश देखा गया। जिले में बाघ के हमले से यह 23वीं मौत है, जो सूबे में सबसे अधिक है। माधोटांडा क्षेत्र के गांव चांदूपुर के रहने वाले छेदालाल की बेटी गिरजा होली पर अपने मायके आई थी। सोमवार की सुबह वह अपनी छोटी बहन नीतू के साथ शौच के लिए घर के बाहर गई हुई थी। गांव के करीब दोनों एक गेहूं के खेत के पास पहुंचीं। यहां पहले से ही घात लगाए बैठे एक बाघ ने गिरजा पर झपट्टा मार दिया और गर्दन को दबोच कर गन्ने के खेत में खींच ले गया। यह देखकर नीतू सहम गई और भागकर गांव में पहुंच गई। नीतू ने जब गांव जाकर इसकी सूचना दी तो काफी संख्या में ग्रामीण खेत में पहुंच गए। शोरगुल कर बाघ को भगाया। ग्रामीणों ने बाघ के चंगुल से महिला का शव छुड़कार वन विभाग को इसकी सूचना दी। बाघ के हमले की सूचना पर माधोटांडा इंस्पेक्टर इंद्र सिंह भी फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गए। डीएफओ कैलाश प्रकाश माला आरओ दिलीप श्रीवास्तव के साथ मौके पर जाकर लोगों से जानकारी ली। जिले में बाघ के हमले से यह 23वीं मौत है।

गाजियाबाद में बाइक लूटकर भाग रहे बदमाशों की पुलिस से मुठभेड़, सिपाही घायल

ट्रांस हिडन। सोमवार शाम इंदिरापुरम में बाइक लूटकर भाग रहे दो बदमाशों और पुलिस की मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ में एक बदमाश के पैर में दो गोलियां लगी हैं। जबकि एक सिपाही के हाथ में गोली लगने से वह घायल हुआ है। पुलिस ने दोनों बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया है। विजय नगर निवासी हर्षित भारद्वाज सोमवार शाम 3:30 बजे किसी काम से इंदिरापुरम में कनावनी पुलिया के पास से गुजर रहे थे। इसी दौरान बाइक सवार दो बदमाशों ने उन्हें गनप्वाइंट पर रोककर बाइक लूटने का प्रयास किया। हर्षित ने विरोध किया इसी दौरान आसपास भीड़ जमा हो गई। इससे घबराकर बदमाश हिंडन नहर रोड पर अपनी बाइक से भागने लगे। लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। थोड़ी ही देर में पुलिस ने बदमाशों को हिंडन नहर रोड पर पकड़ने का प्रयास किया। दोनों ओर से हुई फायरिंग में एक सिपाही अखिलेश के हाथ में गोली लगी है। जबकि शहीद नगर निवासी बदमाश मोहसिन के पैर में दो गोलियां लगी हैं। मोहसिन का साथी दादरी निवासी आमिर भी पकड़ा गया है। पुलिस ने घायल बदमाश तथा सिपाही को अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस का कहना है कि पकड़े गए बदमाशों का आपराधिक इतिहास देखा जा रहा है।

स्वास्थ्य जांच के लिए मुंबई जाएंगे पर्रिकर, उपचार के लिए विदेश भी जा सकते हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। गोवा के मुख्यमंत्री मनोहर पर्रिकर आज स्वास्थ्य जांच के लिए मुंबई जाएंगे और जरूरत हुई तो वह उपचार के लिए विदेश भी जा सकते हैं। यह जानकारी मुख्यमंत्री कार्यालय ने दी। मुंबई रवाना होने से पहले पर्रिकर ने गोवा के डोना पावला स्थित अपने निजी आवास पर अपनी सरकार के वरिष्ठ मंत्रियों के साथ बैठक की और एक कैबिनेट सलाहकार समिति का गठन किया जो उनकी अनुपस्थिति में प्रशासनिक निर्णय लेगी। पर्रिकर को 15 फरवरी को मुंबई के लीलावती अस्पताल में भर्ती कराया गया था जहां उनका अग्नाशय संबंधी बीमारी का उपचार किया गया। 22 फरवरी को उन्हें अस्पताल से छुट्टी मिली थी। उसी दिन उन्होंने राज्य का बजट पेश किया था और संक्षिप्त भाषण दिया था। पर्रिकर की बीमारी के चलते राज्य विधानसभा का बजट सत्र केवल चार दिन चला था। शरीर में पानी की कमी की शिकायत के बाद मुख्यमंत्री को 25 फरवरी को गोवा मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में भर्ती कराया गया था। एक मार्च को उन्हें अस्पताल से छुट्टी मिल गई थी। मुख्यमंत्री कार्यालय ने यहां एक बयान में कहा, ''आज मुख्यमंत्री आगे की स्वास्थ्य जांच के लिए मुंबई जा रहे हैं और डॉक्टरों के परामर्श पर आगे के उपचार के लिए विदेश भी जा सकते हैं। मुंबई जाने से पहले पर्रिकर ने वरिष्ठ मंत्रियों - भाजपा के फ्रांसिस डिसूजा और गोवा फॉरवर्ड पार्टी (जीएफपी) के विजय सरदेसाई से मुलाकात की। सरदेसाई ने बताया कि मुख्यमंत्री ने एक कैबिनेट सलाहकार समिति गठित की जो महत्वपूर्ण मुद्दों तथा वित्तीय मंजूरी पर राज्य प्रशासन को परामर्श देगी। समिति में वह(सरदेसाई), महाराष्ट्रवादी गोमंतक पार्टी (एमजीपी) के सुदीन धवलीकर और डिसूजा शामिल हैं। एमजीपी और जीएफपी गोवा की भाजपा नीत सरकार का हिस्सा हैं। सरदेसाई ने कहा, ''यह समिति 50 लाख रुपये से अधिक की वित्तीय मंजूरी प्रदान करेगी। मुख्यमंत्री की अनुपस्थिति में प्रशासन के पंगु होने से बचने के लिए तंत्र पर काम किया गया है।

सरकार ने बाल देखभाल प्रतिष्ठानों के निरीक्षण को गठित की समिति

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सरकार ने छह सदस्यीय राज्य निरीक्षण समिति गठित की है जो कि राष्ट्रीय राजधानी के बाल देखभाल प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण करके बच्चों का कुशल क्षेम जानेगी।महिला एवं बाल विकास विभाग के अनुसार यह पैनल बाल देखभाल प्रतिष्ठान का तीन माह में एक बार निरीक्षण करेगा और अपनी रिपोर्ट जिला बाल सुरक्षा इकाइयों अथवा राज्य सरकार को सौंपेगा। विभाग ने अपने आदेश में कहा कि राज्य निरीक्षण समिति यह पता लगाने के लिए अचानक निरीक्षण करेगी कि उक्त प्रतिष्ठान जरूरतमंद बच्चों को आसरा दे रहा है।

केंद्र सरकार ठेका मजदूर अधिनियम के केंद्रीय नियमों की धारा 25 में बदलाव करना चाहती है

''समान काम समान वेतन' की मांग को लेकर प्रदर्शन करेंगे अनुबंधित कर्मी

नई दिल्ली। अस्पतालों में अनुबंध पर काम करने वाले कर्मचारी ''समान काम, समान वेतन' की मांग को लेकर सोमवार को यहां रामलीला मैदान में प्रदर्शन करेंगे और संसद मार्ग तक विरोध प्रदर्शन भी करेंगे। इंडियन फेडरेशन ऑफ ट्रेड यूनियंस (इफ्टू) से संबंधित इकाई ''दिल्ली अस्पताल ठेका कर्मचारी यूनियन' की ओर से इस प्रदर्शन का आह्वान किया गया है। संगठन ने एक बयान में कहा, ''अक्तूबर, 2016 में सुप्रीम कोर्ट ने ''समान काम समान वेतन' का आदेश दिया था जो इस बदलते माहौल में काफी महत्वपूर्ण है। फैसले के मुताबिक ठेके के कर्मियों को भी वही वेतन मिलना चाहिए जो स्थायी कर्मियों को मिलता है।' उसने दावा किया कि केंद्र सरकार ठेका मजदूर अधिनयिम के केंद्रीय नियमों की धारा 25 में बदलाव करना चाहती है और अगर ऐसा हुआ तो ''समान काम, समान वेतन' की व्यवस्था को लागू करना बहुत मुश्किल हो जाएगा।

पति की मानसिक पीड़ा का कारण बनते हैं अवैध संबंध के झूठे आरोप : हाईकोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा है कि पति पर लगे अवैध संबंध के झूठे आरोप उनके मानसिक दर्द एवं पीड़ा का कारण बनते हैं। इससे यह आशंका भी बढ़ी है कि ऐसी पत्नी के साथ रहना और भी खतरनाक होगा जो अपने पति को आत्महत्या की धमकी देती हो। अलग रह रहे एक दंपति को तलाक की अनुमति देने वाले परिवार अदालत के फैसले को बरकरार रखते हुए उच्च न्यायालय ने यह टिप्पणी की, क्योंकि महिला अपने पति के साथ रता से पेश आती थी। अदालत ने कहा, ''हमने पाया कि इस तरह के अवैध संबंधों के झूठे आरोप पति के लिये मानसिक पीड़ा, यंतणा एवं तकलीफ का कारण बनते हैं।' न्यायमूर्ति सिद्धार्थ मृदुल एवं न्यायमूर्ति दीपा शर्मा की खंडपीठ ने कहा, ''ऐसे आरोप गंभीर होते हैं और अंतत: इनसे रिश्तों में दरार आती है। इससे व्यक्ति को गहरा आघात पहुंचता है और यह आशंका भी प्रबल होती है कि ऐसी पत्नी के साथ रहना खतरनाक होगा, खासकर तब जब वह आत्महत्या करने की धमकी देती हो।' महिला ने दावा किया था कि उसके पति का उसकी बहन के साथ अवैध संबंध हैं।

मंत्रियों व अफसरों की रार से सलाहकार भी परेशान

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सरकार के सभी स्तर के अधिकारियों ने सरकार के मंत्रियों के फोन उठाने बंद कर दिए हैं। अधिकारी के फोन व मैसेज तक का जवाब अधिकारी नहीं देते हैं। लिहाजा परेशानी मंत्री को है, लेकिन ज्यादा परेशानी उनके आप आदमी पार्टी के काडर से नियुक्त किए सलाहकार को हो रही है। जब अधिकारी मंत्री की सुनने को तैयार नहीं तो सलाहकार की कौन सुन रहा है।

ऐसे सलाहकार जिनका वेतन एक लाख से ज्यादा है लेकिन कोई भी उनकी बात सुनने को तैयार नहीं है। ऐसे में उनकी हालत सचमुच सबसे खराब है।सरकार की कथनी और करनी में फर्क सीलिंग से आहत अरविंद केजरीवाल ने कहा था कि वह और उनकी पार्टी के लोग इस बार होली का त्योहार नहीं मनायेंगे। मंत्री के इस बयान से सीलिंग से परेशान दुकानदारों को भी लगा था कि सरकार उनके दुख में शामिल है, लेकिन आलाकमान के आदेश को उनके ही विधायकों ने हवा में उड़ा दिया। आप पार्टी के एक विधायक ने अपने ही आला कमान के आदेश को ठेंगा दिखाते हुए जमकर होली खेली।

विधायक का होली खेलते हुए वीडियो वायरल होते ही दुकानदारों ने अपना सा मुंह बना लिया। इस पर एक दुकानदार ने कहा कि भई यह सरकार कहती कुछ है और करती कुछ और है। गलती आपकी है कि आप उस पर भरोसा करते है। यह सुनते ही दुकानदार ने कहा कि भई सही कहा, गलती हमारी है कि हमने भरोसा किया, अब पछताय होत क्या। रंगों के बहाने भड़ास..बुरा न मानो होली है, होली के मौके पर यह स्लोगन काफी चर्चित है, जबकि इस बहाने बड़ी संख्या में लोग विरोधियों से भड़ास भी निकालते हैं। होली से एक दिन पहले भाजपा कार्यालय में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। हालांकि घोषित तौर पर यह होली मिलन प्रदेश पदाधिकारियों एवं मीडिया के बीच था, लेकिन आयोजन में ऐसी अव्यस्था फैली की, पता ही नहीं चला कि कौन किसे रंग लगा रहा है। पार्टी कार्यालय में जमकर रंग खेला गया। पार्टी के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने पूछने पर बड़े असहज भाव से कहा कि ये सब आज पुरानी भड़ास निकाल रहे हैं। डाक्टर ने टटोली नेता जी की नब्ज, सन्न रह गए समर्थक कहते हैं कि मुफ्त में कोई किसी को यदि अपनी जान भी दे दे तो लोग उसे पागल समझते हैं। इसी तरह से आजकल राजधानी के कुछ स्वास्य संगठनों की ओर से मुफ्त स्वास्य जांच शिविर लगाने की बाढ़ सी आ गई है। दरअसल, इन शिविरों में डाक्टर कम होते हैं और नेताओं की उपस्थिति ज्यादा देखी जा रही है।

जनकपुरी विधान सभा क्षेत्र में बीते एक माह के दौरान करीब दर्जनभर से ज्यादा स्वास्य जांच शिविर लगाए गए। जिसमें शीर्षस्थ नेताओं की भागीदारी रही साथ ही निचले तबके नेताओं की उपस्थिति भी देखी गई। मरीजों को दवाएं, चश्मा और अन्य चिकित्सीय उपकरण भी देने की बात की जा रही है। इस बारे में एक डाक्टर के मन की बात जानने का प्रयास किया गया तो उसने कहा कि हमारे लिए मरीज मरीज होता है बेशक वह नेता हो या ब्यूरोक्रेट्स। उसका जबाव सुनकर वहां खड़े एक नेता जी ने कहा कि बचवा हम तो स्वस्थ है हमें आपसे जांच भी नहीं करानी है, हम तो सिर्फ उद्घाटन करने आए हैं। डाक्टर ने तुरंत इन जनाब का हाथ पकड़ा और नब्ज टटोलने लगा, इस बीच नेता जी कुछ समझ पाते कि डाक्टर ने तुरंत पुज्रे पर कुछ लिखा और कहा कि साहब आपका ब्लड प्रैशर हाई है, कृपया ये दवा लेते रहिए। नेता जी के साथ उनके अन्य समर्थक भी सन्न थे।

क्रोध से मूढ़ता उत्पन्न होती है, मूढ़ता से स्मृति भ्रांत हो जाती है, स्मृति भ्रांत हो जाने से बुद्धि का नाश हो जाता है और बुद्धि नष्ट हो जाती है - कृष्ण

शानदार विजय

तीन राज्यों के चुनाव परिणामों से भाजपा का उत्साहित होना स्वाभाविक है। त्रिपुरा की आशातीत सफलता और नगालैंड में बेहतर प्रदर्शन उसके उत्साह का कारण है। मेघालय में कांग्रेस को बहुमत तक न पहुंचने देना भी उसकी रणनीतिक सफलता है। जाहिर है, कांग्रेस और वाम दलों के लिए यह परिणाम किसी आघात से कम नहीं है। कांग्रेस इस बात पर संतोष व्यक्त कर रही है कि मेघालय में वह आज भी सबसे बड़ी पार्टी है। किंतु उसके विरोधी दलों की इतनी ज्यादा सीटें उसकी पेशानी पर बल डालने के लिए पर्याप्त हैं। त्रिपुरा की शानदार विजय ने माकपा नेतृत्व वाले वामदलों के अस्तित्व पर संकट खड़ा कर दिया है। पश्चिम बंगाल और त्रिपुरा उनके गढ़ माने जाते थे। अब उनकी सरकार केवल केरल में है। वामदलों का नेतृत्व करने वाले माकपा को गहरे आत्ममंथन की आवश्यकता है। आखिर जिस भाजपा का त्रिपुरा में नामलेवा नहीं था उसने उसके किले को क्यों ध्वस्त कर दिया? इसे धनबल और बाहुबल का परिणाम बताना जनादेश को प्रकारांतर से अस्वीकार करना ही है। चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर कोई प्रश्न खड़ा नहीं कर सकता। वास्तव में वामदल ईमानदारी से चुनाव परिणामों की समीक्षा करने को तैयार नहीं हैं। न उन्होंने पश्चिम बंगाल के दुर्ग ढहने की आज तक सही समीक्षा की, न वे त्रिपरा की कर रहे हैं। जब तक आप ईमानदार समीक्षा नहीं करते, पुनर्गठित होने और चुनावी राजनीति में प्रभावी स्थिति में आने का कोई रोडमैप तैयार हो ही नहीं सकता। इस परिणाम का असर राष्ट्रीय राजनीति पर पड़ना बिल्कुल स्वाभाविक है। माकपा का इस तरह राजनीति में हाशिए पर जाना भविष्य की राष्ट्रीय राजनीति पर गहरा प्रभाव डालेगा। कम-से-कम वे तो इस स्थिति में नहीं हैं कि भाजपा एवं मोदी के खिलाफ किसी सशक्त गठबंधन की पहल कर सकें। दूसरी ओर, कांग्रेस जिस तरह त्रिपुरा एवं नगालैंड में दो प्रतिशत मतों के आसपास सिमट गई है, उसका असर उसके मनोविज्ञान पर पड़ेगा ही। वास्तव में इन परिणामों ने भाजपा विरोधी प्रभावी गठबंधन की संभावना को क्षीण किया है। अगर कांग्रेस जैसी पार्टी चुनावी दुर्दशा का शिकार होती है तो फिर भाजपा एवं मोदी का मुकाबला राष्ट्रीय स्तर पर कौन करेगा; यह इस समय बड़ा सवाल है। भाजपा विरोधी गठजोड़ बनाने की बात बहुत हो रही है, लेकिन प्रदेशों की स्थानीय राजनीति में यह व्यावहारिक शक्ल अख्तियार नहीं कर रहा।

नया अवतार

प्रधानमंत्री के धाराप्रवाह भाषण ने पक्ष-विपक्ष को चौंका दिया है। इस तरह कि समर्थकों को नरेन्द्र मोदी का यह नया अवतार लगा है, जो मुस्लिमों के प्रति समानता के वास्तविक व्यावहारिक दर्शन में भरोसा करता है। वहीं विपक्ष को मुस्लिमों का एकमात्र शुभचिंतक होने का भरोसा छीन लिया है। इसलिए समर्थक और विरोधी दोनों को ही मोदी ने लाजवाब कर दिया है। यह इसके साथ है कि ये राजनेता का बाना धरे मोदी को 2019 का ख्याल बखूबी रहा होगा। इस बात से किसी को कहां इनकार है कि कोई मजहब औरों से वैर करना सिखाता है। खून-खराबा की हिंसक बात तो उसके तसव्वुर तक में नहीं है। अगर ऐसा होता भी है तो उसके लिए किसी धर्म को लांछित करना ठीक नहीं है। फिर भी दुनिया में ज्यादातर दंगा-फसाद मजहब के नाम पर किये जाते हैं। इसकी वजह अबूझ नहीं है। दरअसल, जिस धार्मिक वातावरण में व्यक्ति का उद्भव और विकास होता है, वह व्यक्ति की मनोभूमि में उस धर्म की श्रेष्ठता का एक संकीर्ण भाव रोप देता है। वह चाहता है कि सभी उसके धर्म का पालन करें। मौजूदा दुनिया इसी मजहबी खूनी संघर्ष से लथपथ है। यहां प्रधानमंत्री सही हैं कि कुछ गुमराह लोगों की हिंसा से उस मजहब के प्रति घृणा और खौफ पैदा होता है, जिसके प्रसार के लिए वे तलवार भांजते या गोला-बारूद बरसाते घूमते होते हैं। हालांकि यह अकेले इस्लाम के साथ नहीं है। हिंसक कट्टरता क्षेत्रों के हिसाब से और धर्मों के बाड़ से परे है। इस सर्वमान्य सत्य का संतुलन किन्हीं क्षेत्रों और धर्म के पक्ष में डगमगाता दिखा है तो उसके उपाय खोजने ही होंगे। प्रधानमंत्री की चिंता यहां मुस्लिम युवकों को आतंकवादी संगठनों के पल्रोभनों से बचाने की है। वह इसके लिए उन्हें परम्परा और वैज्ञानिक बोध से लैस कराना चाहते हैं-किताब और कम्प्यूटर के जरिये। पर अकेले मुस्लिम युवाओं को ही क्यों? सभी धर्म-सम्प्रदाय की युवा चेतना को उदात्त बनाना जाना चाहिए। खतरा केवल आतंकवाद का नहीं है। इतिहास बोध के अभाव में बनती अवैज्ञानिक या प्रतिगामी वैचारिक चेतना से देश का पीढ़ीगत नुकसान है। दुर्भाग्य से यह आतंक के समानांतर ही विकराल होता जा रहा है। बगैर दायित्वबोध के तकनीक की जानकारी विध्वंस नहीं रोक सकती।

सत्संग

नैतिक मूल्य

मनुष्य के जीवन में नैतिक मूल्य का विशेष महत्त्व है। नैतिक मूल्य वाला व्यक्ति देवता तुल्य है, जबकि इसके अभाव में वह पशु के समान है। जिस व्यक्ति या समाज ने अपने नैतिक मूल्य को ही सवरेपरि माना और किसी भी परिस्थिति में इससे समझौता नहीं किया, उसने तरक्की के नये सोपान तय किए हैं। इसके विपरीत, नैतिक मूल्यों से समझौता करने वाले मनुष्य या समाज का पतन देर-सबेर सुनिश्चित होता है। नैतिक मूल्यों की रक्षा करने वाले मनुष्य और समाज में समानता, सदाचार, शिष्टाचार, सत्यता जैसे गुणों का विस्तार होता है, जबकि इसके अभाव में असमानता, कदाचार, घृणा, असत्य का बोलबाला रहता है। कहने का सार यही है कि नैतिक मूल्यों का प्रभाव और अप्रभाव दोनों का मनुष्य के समस्त कार्य-कलापों पर पड़ता है और उसका संपूर्ण व्यक्तित्व इससे प्रभावित होता है। भगवान श्रीराम ने कभी भी अपने नैतिक मूल्यों से समझौता नहीं किया, इसलिए वे हमारे आदर्श हैं और हर कालखंड में पूजे जाते हैं। नैतिक मूल्यों की रक्षा करने के लिए मनुष्य को सबसे पहले अपने चरित्र का निर्माण करना होता है। चरित्र ही मनुष्य की सबसे बड़ी पूंजी होती है और उसे जीवनपर्यंत इसकी रक्षा करनी चाहिए। चरित्रवान व्यक्ति ही समाज, राष्ट्र व विश्व का सही नेतृत्व और मार्गदर्शन कर सकता है। स्वामी विवेकानंद कहते हैं कि जिस मनुष्य में चरित्र का निर्माण हो गया, उसमें बाकी चीजें स्वत: आ जाती हैं। किसी भी व्यक्ति का चरित्र उसके विचारों से बनता है। हमारे मस्तिष्क में जैसे विचार आएंगे, हमारे कर्म वैसे ही होंगे और कर्म ही हमारे चरित्र का निर्माण करेंगे। चरित्रहीन व्यक्ति लोभ, अहंकार, घृणा करता है। इसलिए वह वैसे ही कर्म करता है और बाद में यही उसके पतन का कारण भी बनता है। जब मनुष्य अपने भीतर संतोष का भाव जाग्रत करता है, तो फिर उसे किसी अध्यात्म की आवश्यकता नहीं होती, क्योंकि तब उसे स्वत: ही प्रत्येक वस्तु और अवस्था में अध्यात्म प्राप्त हो जाता है। संतोष से तात्पर्य है कि मानव अपनी इच्छाओं और आकांक्षाओं पर नियंतण्रखे। यदि मनुष्य अपनी इंद्रियों को अपने नियंतण्र में रखता है, तो उसमें हमेशा संतोष का भाव बना रहता है। चर्चित दार्शनिक कन्फ्यूशियस का कहना है कि यदि आपमें संतोष का गुण है तो आपके परिवार में शांति रहेगी। यदि आपका परिवार संतोषी है तो समाज में शांति रहेगी।

"भगोड़ा आर्थिक अपराध बिल 2018'

बैंकों के खातों की जांच पर करोड़ों रुपये किस बात के खर्च होते हैं? कोई पूछ ही नहीं रहा है। केंद्रीय बैंक पहले एनपीए मामले में अपनी जवाबदेही के प्रति लापरवाह रहा फिर नोटबंदी के दौरान घोर अव्यवस्था से मानों उसे कोई लेना-देना नहीं हो और अब फ्रॉड के प्रति सतर्कता किसका दायित्व है? इसका आम जनता को सही-सही पता नहीं। प्रथमदृष्टया केंद्रीय बैंक की समस्त जिम्मेदारी है। मगर सुख-सुविधाओं से संपन्न महाराज स्टाइल की अच्छी साहब बहादुर वाली नौकरी करते नौकरशाह मस्त हैं। आज सरकारी बैंकों की दुर्गति के लिए रिजर्व बैंक के दायित्व को समझना होगा और अवश्य ही शीर्ष पद पर आसीन अधिकारियों को कुछ-न-कुछ ऐसा करना चाहिए।

सतीश पेडणोकर

बीमारी इलाज के बावजूद लगातार बढ़ती जाए तो इसके दो ही कारण हो सकते हैं। एक तो यह कि बीमारी बहुत गंभीर है अथवा इलाज गंभीरता से नहीं हो रहा। दुर्भाग्य से भारत में सरकारी बैंकों के संदर्भ में ये दोनों बात लागू होती हैं। इलाज मर्ज को गहराई से पहचान लेने की अपेक्षा लक्षणों पर आधारित है। रिजर्व बैंक वह विशेषज्ञ है, जिसकी जिम्मेदारी है और वही संपूर्ण रूप से फेल नजर आ रहा है। वर्तमान बैंकिंग परिदृश्य बहुत धूमिल है और अभी तक सरकार ने केंद्रीय बैंक की कोई खबर ही नहीं ली है। बैंकों के खातों की जांच पर करोड़ों रुपये किस बात के खर्च होते हैं? कोई पूछ ही नहीं रहा है। केंद्रीय बैंक पहले एनपीए मामले में अपनी जवाबदेही के प्रति लापरवाह रहा फिर नोटबंदी के दौरान घोर अव्यवस्था से मानों उसे कोई लेना-देना नहीं हो और अब फ्रॉड के प्रति सतर्कता किसका दायित्व है? इसका आम जनता को सही-सही पता नहीं।

प्रथमदृष्टया केंद्रीय बैंक की समस्त जिम्मेदारी है। मगर सुख-सुविधाओं से संपन्न महाराज स्टाइल की अच्छी साहब बहादुर वाली नौकरी करते नौकरशाह मस्त हैं। आज सरकारी बैंकों की दुर्गति के लिए रिजर्व बैंक के दायित्व को समझना होगा और अवश्य ही शीर्ष पद पर आसीन अधिकारियों को कुछ-न-कुछ ऐसा करना चाहिए, जिसे लगे कि वह अपने कर्तव्यों के प्रति संवेदनशील हैं। मगर इधर एक-दूसरे पर आरोप मढ़ने से अधिक कुछ नहीं हो रहा। हमारी अर्थव्यवस्था पिछले दो-तीन साल से लगातार मथी जा रही है। इससे अभी तक विष ही विष उत्पन्न हुआ है। लगता है धन-संपदा के अमृत का पान बहुत पहले ही हो चुका है। इस विष का भान लगातर बढ़ते जा रहे एनपीए में तो नजर आ ही रहा था, जो कि किसी प्रकार भी काबू में आने का नाम ही नहीं ले रहा था। मगर पीएनबी में एकदम से इतने बड़े घोटाले के उजागर होने से सरकार अत्यधिक सशंकित हो गई। कुछ विशेषज्ञों ने तो सरकारी बैंकों को प्राईवेट किए जाने की वकालत भी करनी शुरू कर दी। जब हर तरह से सरकारी बैंकों को मर्ज पकड़ में नहीं आ पाया तो सरकार ने अपने तुरूप के पत्ते को यानी सीबीआई को प्रयोग में लाने का मन बनाया है। इससे पूर्व सीमित दायरे में ही यह कार्य सीबीआई के द्वारा किया जाता था। मगर अब उसका रोल अधिक होने वाला है। इधर, सीबीआई स्टाफ एवं विशेषज्ञता की कमी से पहले ही त्रस्त है और अब मानो उसे एनपीए से निबटने के एक रामबाण के रूप में सरकार देख रही है। इस तय में तनिक भी संदेह नहीं कि सीबीआई एक बेहतरीन संस्था है और उसकी सहायता से काफी कुछ समस्या का समाधान अवश्य हो जाएगा। सरकार के सब्र की परीक्षा का यह आखिरी इम्तहान है। उम्मीद है इस परीक्षा में सरकार खरी उतरेगी। परंतु दूसरी तरफइस बात से कोई इनकार नहीं कर सकता कि ऋण देने में अब बैंक अधिकारियों के मन में एक भय व्याप्त होगा। बैंक ऋणों की मांग में कमी लगातार बनी हुई है और सरकार के इस कदम से उसमें और अधिक उदासीनता का खतरा है। इसका एक मात्र उपाय वैकल्पिक वित्त को उपलब्ध कराना ही नजर आ रहा है। यह दो तरह से उपलब्ध की जा सकती है। एक तो कॉर्पोरेट बांड मार्केट द्वारा और दूसरा इक्विटी मार्केट में निर्गम द्वारा। यह तरीका बैंकों को प्राइवेट सेक्टर में देने की अपेक्षा उनके बिजनेस को प्राइवेट हाथों में देने जैसा है। यही एकमात्र रास्ता नजर आ रहा है, जो भविष्य में वित्तीय व्यवस्था को एक नया रास्ता दिखा सकता है। दूसरी तरफ, आर्थिक अपराधों के मामलों में अभियुक्तों के ऊपर वैंकि कसने के लिए कैबिनेट ने "भगोड़ा आर्थिक अपराध बिल 2018' को मंजूरी दे दी है। इस बिल की सारी बातों को अभी सार्वजानिक नहीं किया गया है, मगर इतना इंगित किया गया है कि आर्थिक अपराध कर के विदेश भागने वालों को अदालत में दोषी ठहराए बिना भी उनकी संपत्ति जब्त करने का प्रावधान बिल में है। इस बिल के साथ ही लापरवाह और धोखाधड़ी में लिप्त पाए जाने वाले चार्टर्ड अकाउंटेंट्स पर नकेल कसने के लिए "राष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्टिंग प्राधिकरण' को भी मंजूरी दी गई है। विश्व की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से सिर्फ भारत ही एक ऐसा देश था, जहां ऑडिटर्स को कंट्रोल करने के लिए "सेल्फ रेगुलेटरी' व्यवस्था थी। 2013 के "कंपनी लॉ' में प्रस्तावित एक प्राधिकरण की व्यवस्था को भी लगभग पांच साल बाद दिन की रोशनी दिखी। यह सब प्रतिक्रियाएं पंजाब नेशनल बैंक के घोटाले से तेज हुई। खराब घटनाएं अच्छे कानूनों को जन्म देती ही हैं। कुछ-न-कुछ सकारात्मक असर तो इस घोटाले का भी होगा। अब सरकार को मजबूती दिखने का एक मौका मिला है।

अब कोई उस पर कठोर होने का आरोप नहीं लगा सकता। इस बात की भी चिंता करने की आवश्यकता नहीं है कि सीबीआई को बैंकों के फ्रॉड की जांच में सक्रियता से सहभागिता होने से ऋण उपलब्धता में कोई कमी आएगी। इक्कीस में से ग्यारह बैंक पहले से ही एक अलग सूची में चल रहे हैं और पूरी तरह से ऋण देने के पात्र नहीं हैं। मजेदार बात है कि इस सूची में पीएनबी नहीं था। सरकारी बैंकों के शेयर मूल्यों में लगातार गिरावट की वजह से निवेशकों का भारी नुकसान हुआ है। उसकी भरपाई तभी हो सकेगी जब कुछ ठोस एवं कठोर निर्णय लिए जाएं ताकि विदेशी संस्थागत निवेशकों का विास लौटे। अभी इसकी कोई सम्भावना नजर नहीं आ रही है। विदेशी बाजारों में घबराहट का माहौल इस आग में घी का काम कर रहा है। यह एक मुश्किल भरा समय है परन्तु एक आशा की किरण जीडीपी ग्रोथ में नजर आई है और एक दिन पहले अमेरिका द्वारा स्टील एवं एल्युमीनियम के आयात पर ड्यूटी लगाए जाने का निर्णय एक ट्रेड वार को जन्म देता प्रतीत हो रहा है। देखना होगा कि भारत अपने वर्तमान बैंकिंग संकट के साथ-साथ इस विश्व व्यापार संबंधी उथल-पुथल को किस प्रकार अपने पक्ष में कर सकता है? घरेलू और नियंतण्र मोर्चे पर ही नई चुनौतियां नये अवसरों को जन्म देंगी और यह संतोष की बात है कि राष्ट्र दो झटकों-एक नोटबंदी और दूसरा जीएसटी-के ऑपरेशनल अवरोधों से सही समय पर उबर रहा है।

भविष्य बड़ा अनिश्चित है, किंतु हमारे पास अब खोने के लिए कुछ अधिक नहीं है। शायद ये सब हमारी अर्थव्यवस्था के लिए अच्छा ही साबित होगा क्योंकि स्थापित मूल्यों के ध्वस्त होने से विकासशील देशों को गति ही मिलती है।

चलते चलते

लापरवाही और संवेदनहीनता की कहानी

एक्टर और मरीज का रिश्ता बेहद खास और पवित्र होता है, जहां डॉक्टर मरीज की ओर से कई फैसले लेता है। देश में चिकित्सा व्यवस्था की हालत किसी से छुपी नहीं है। आए दिन डॉक्टरों, अस्पतालों और इस पेशे से जुड़े लोगों की लापरवाही और संवेदनहीनता की कहानी सामने आती रहती है। कभी झोलाछाप नीम-हकीमों की वजह से मासूम जनता की जान आफत में पड़ती है तो कभी डॉक्टरों के हाथों मरीज की मौत की खबर सुर्खियां बनती है। ताजा मामला छत्तीसगढ़ का है, जहां 37 लोगों की आंखों की रोशनी डॉक्टरों की लापरवाही की वजह से हमेशा के लिए चली गई। बताया जा रहा है कि नकली आई ड्रॉप के कारण यह सब हुआ है। देश की नियामक संस्था नेशनल एक्रेडिटेशन बोर्ड फॉर हॉस्पिटल्स

आए दिन डॉक्टरों, अस्पतालों और इस पेशे से जुड़े लोगों की लापरवाही और संवेदनहीनता की कहानी सामने आती रहती है। कभी झोलाछाप नीम-हकीमों की वजह से मासूम जनता की जान आफत में पड़ती है।

(एनएबीएच) के मुताबिक देश में हर साल इलाज के दौरान शारीरिक क्षति (मेडिकल इंजरी) से 98,000 मौत हो रही हैं। कानूनी मामलों से जुड़े मनुपत्र के मुताबिक, पिछले 10 साल में सुप्रीम कोर्ट में चिकित्सा के पेशे से जुड़े मुकदमों में 400 फीसद का इजाफा हुआ है। वैसे चिकित्सा की हरेक प्रक्रिया में कुछ-न-कुछ जोखिम होता है। अनहोनी को लापरवाही की संज्ञा देना समझदारी नहीं है। सही मायने में लापरवाही तभी मानी जाएगी, जब डॉक्टर इलाज के लिए तय प्रक्रिया का पालन नहीं करते हैं। आमतौर पर अस्पताल या डॉक्टर मरीज और उनके परिजनों से वे बातें भी छुपाते हैं, जो नियमत: छुपानी नहीं चाहिए। चिकित्सीय नियम-कायदा भी यही कहता है कि डॉक्टरों को इलाज प्रक्रिया से जुड़े सभी दस्तावेज मरीज के परिजनों को मुहैया कराने चाहिए। चिकित्सा विज्ञान बेहद जटिल है, लिहाजा लापरवाही के आरोप को उपभोक्ता अदालत या बाकी मंच पर साबित करना बेहद कठिन होता है। डॉक्टरों से जुड़े मामलों को देखने वाली एकमात्र अपीली संस्था मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया (एमसीआई) को ऐसे मामलों को संजीदगी से लेने की जरूरत है। देखा गया है कि डॉक्टरों और अस्पतालों के खिलाफ मरीजों की तरफ से मुकदमे और हर्जाने की मांग से संबंधित मामले तेजी से बढ़े हैं। सिर्फ डॉक्टरों का निलंबन पर्याप्त नहीं है। उनके लाइसेंस जब्त होने चाहिए। सबसे महत्त्वपूर्ण बात; इलाज में पारदर्शिता कैसे लाई जा सकती है, इस विषय पर मंथन की जरूरत है।

फोटोग्राफी...

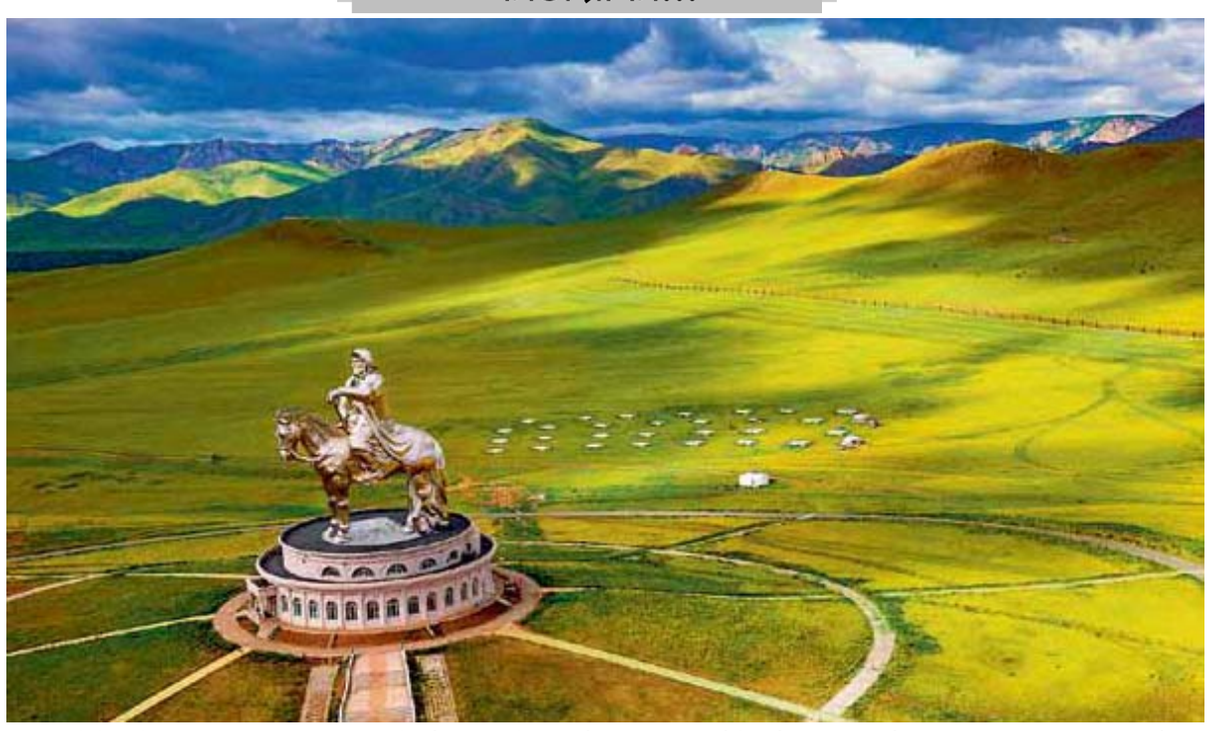

यह फोटो मंगोलिया की राजधानी उलान बाटोर के बाहरी क्षेत्र का है, जहां विशाल पैलेस के ऊपर वहां के सम्राट की 131 फीट ऊंची स्टैच्यू बनाई गई है। यह फोटो फ्रेंच फोटोग्राफर यान आर्थस बर्टरैन्ड ने मंगोलि या यात्रा के दौरान क्लिक किया है। उन्होंने लिखा कि अगर मध्य-पूर्वी एशिया की यात्रा में मंगोलिया के मैदान नहीं देखे, तो कुछ नहीं देखा। ऑउटडोर यात्रा करने वालों के लिए इससे बेहतर जगह दूसरी नहीं हो सकती। यहां के लोगों की मेहमाननवाजी और प्राकृति क सौंदर्य किसी को भी आकर्षित कर सकता है और वह यहां दोबारा जरूर आना चाहेगा। यान कहते हैं, यहां की सैर करने के लिए घुड़सवारी सबसे अच्छा साधन है क्योंकि दूसरी जगहों पर जाने के लिए आपको विशाल मैदान पार करने होते हैं। जून माह में यहां पारंपरिक एवं प्राचीन खेल स्पर्धाएं होती हैं, जिसमें घुड़सवारी, निशानेबाजी और कुश्ती प्रमुख है, जिसे देखने दुनियाभर से लोग यहां आते हैं। natgeomedia.com

"सुरक्षित शैक्षणिक माहौल'

विधानसभा में जब हमारे संविधान निर्माताओं ने बच्चों की शिक्षा की जिम्मेदारी राज्य के सुपुर्द करने की सोची होगी तो, यकीनन उन्हें विास रहा होगा कि राज्य बच्चों को एक "सुरक्षित शैक्षणिक माहौल' मुहैया कराएगा। लेकिन मुजफ्फरपुर के धर्मपुर मध्य विद्यालय के 9 छात्रों की निर्मम हत्या ने संविधान निर्माताओं की संकल्पना को धराशायी कर दिया। नीतीश सरकार की लापरवाही और गैर-जिम्मेदाराना शासन, न केवल मृतक नौनिहालों के परिवारों के लिए मुसीबत लाया है, बल्कि पूरे राज्य भर में दहशत का माहौल पैदा कर दिया है। विडंबना देखिए कि ऐसे समय में जब सुविधा के अभाव में 9 बच्चों को शिक्षा के नाम पर अपनी जान गंवानी पड़ी, तब सूबे की सरकार शिक्षा के लिए 32 हजार करोड़ रुपये के बजट का ऐलान कर शेखी बघार रही है। सवाल है कि जब राज्य में शिक्षा हासिल करने वाले ही सुरक्षित नहीं है, तब इस भारी-भरकम बजट का क्या औचित्य है? यह खर्च तो तभी सार्थक है, जब इससे फायदा हासिल करने वाले जीवित रहें। सवाल है कि नेताओं के असंवेदनशीलता का शिकार हमारे बच्चे कब तक बनते रहेंगे? दरअसल, विभिन्न पहलुओं पर जब आप गौर करेंगे तो इस दुर्घटना के लिए सूबे की सरकार को ही जिम्मेदार पाएंगे। इसकी कई वजहें हैं। पहला, जब देश के माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने भी नेशनल हाईवे के क्षेत्र को अतिसंवेदनशील माना है, तब नेशनल हाईवे के बगल में विद्यालय बनवाना किस प्रकार की समझदारी है? एक औसत समझ रखने वाला व्यक्ति भी हाइवे पर दौड़ते वाहनों के खतरे को भांप सकता है। दूसरा, जब विद्यालय के 662 विद्यार्थियों में से 450 यानी 70 फीसद बच्चों को सड़क पार करके विद्यालय जाना पड़ता है, तब सरकार व प्रशासन ने बच्चों के क्रॉसिंग के लिए कोई सुरक्षित व्यवस्था क्यों नहीं करवाई? ओवरब्रिज या अंडरपास जैसी व्यवस्था मासूमों की सुरक्षा के लिए बेहद जरूरी थे, और इस पहल को संजीदगी के साथ अमल में लाना चाहिए था। तीसरा, अगर ओवरब्रिज जैसी व्यवस्था नहीं हो सकी, तो क्या प्रशासन को छुट्टी के वक्त बच्चों को सुरक्षित सड़क पार कराने के लिए स्कूल स्टॉफ की तैनाती नहीं करनी चाहिए थी?शराबबंदी के नाम पर "महिला सुरक्षा' और दहेजबंदी के नाम पर "गरीब सुरक्षा' का राग आलापने वाले नीतीश कुमार की बच्चों की सुरक्षा पर खामोशी और ढुलमुल रवैया हैरान और परेशान करने वाला है। खुद को समाज सुधार के पैरोकार बताने वाले सुशासन बाबू जब आरोपी पर तीव्र कार्रवाई की बजाय होली न मनाने की बात करते हैं, तो एक पारंपरिक नेताओं की तरह हकीकत पर पर्दा डालते हुए नजर आते हैं। विडंबना है कि राज्य के मसलों पर विपक्षी दलों की राय लेने की परंपरा खत्म होती जा रही है। दरअसल, इस प्रकार के मामले आए दिन समाचार की सुर्खियों में रहते हैं। इसी वर्ष जनवरी में, इंदौर में 6 स्कूली बच्चों की सड़क दुर्घटना में जान चली गई थी। नेशनल क्राइम रिकार्ड ब्यूरो की मानें तो; प्रतिदिन 43 बच्चे सड़क दुर्घटनाओं में अपनी जान गंवाते हैं। सजा का प्रावधान भी तभी होता है जब जवाबदेही तय की गई हो। मगर अफसोस की बात है कि हमारे देश में बड़ी-से-बड़ी चूक हो जाती है, लेकिन किसी की कोई जवाबदेही तय नहीं की जाती? इस तरह की सड़क दुर्घटनाओं को महज इत्तेफाक कहकर हुकूमत पल्ला झाड़ लेती और कार्रवाई के नाम पर खानापूर्ति की जाती है। बहरहाल, सूबे की सरकार को चाहिए कि ईमानदारी से अपनी और प्रशासन की जवाबदेही तय करे और इस प्रकार की नौसिखिए कार्य से बाज आए, ताकि फिर कोई मासूम अपनी जिंदगी न खोए। साथ ही सभी दलों को चाहिए कि वह ऐसे गंभीर मुद्दों पर संजीदगी दिखाए न कि सियासत करे।

लिएंडर पेस की शीर्ष 50 में वापसी, एकल खिलाड़ी खिसके

नयी दिल्ली। लिएंडर पेस ने एटीपी दुबई टूर्नामेंट में उप विजेता रहने से छह पायदान की छलांग से ताजा टेनिस रैंकिंग में शीर्ष 50 में वापसी की जबकि भारत के शीर्ष एकल खिलाड़ी इसमें अपने स्थान से खिसक गये हैं। पेस पिछले हफ्ते जेरेमी सेरेटानी के साथ दुबई में फाइनल में पहुंचे थे। इससे वह 46वें स्थान पर पहुंच गये और दिविज शरण (44) से दो स्थान पीछे हैं जिन्हें एक पायदान का फायदा हुआ। रोहन बोपन्ना अपने 20वें स्थान पर बरकरार हैं। पूरव राजा एक पायदान के नुकसान से 62वें स्थान पर हैं जबकि विष्णु वर्धन एक पायदान के लाभ से अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ युगल रैंकिंग 99 हासिल करने में सफल रहे।।एकल में युकी भांबरी पांच पायदान के नुकसान से 110वें स्थान पर खिसक गये जिनके बाद रामकुमार रामनाथन (दो पायदान खिसककर 135वें स्थान), सुमित नागल (तीन पायदान खिसककर 223वें स्थान पर) और प्रज्नेश गुणेश्वरन (तीन पायदान के नुकसान से 235वें स्थान पर) बने हुए हैं। महिलाओं की रैंकिंग में अंकिता रैना को भी पांच स्थान की गिरावट देखनी पड़ी जिससे वह 255वें स्थान पर हैं जबकि करमन कौर थांडी तीन पायदान ऊपर चढ़कर अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ 278 रैंकिंग हासिल करने में सफल रहीं। युगल में चोटिल सानिया मिर्जा की रैंकिंग में कोई बदलाव नहीं हुआ, वह 13वें स्थान पर बनी हुई हैं जबकि प्रार्थना थोम्बरे दो पायदान खिसककर 141वें स्थान पर पहुंच गयीं।

ब्रिटेन के एथलीट रोजर बैनिस्टर का निधन, 4 मिनट में तय करते थे एक मील दूरी

लंदन। एक मील की दूरी चार मिनट से कम समय में पूरी करने वाले दुनिया के पहले धावक रोजर बैनिस्टर का निधन हो गया है। वह 88 वर्ष के थे। प्रेस एसोसिएशन समाचार एजेंसी में जारी बैनिस्टर के परिजनों के बयान के अनुसार, 'सर रोजर बैनिस्टर का तीन मार्च 2018 को आक्सफोर्ड में निधन हो गया।' बैनिस्टर ने छह मई 1954 को खेलों के क्षेत्र में नया इतिहास रचा था। उन्होंने आक्सफोर्ड में इफले रोड ट्रैक पर एक मील की दूरी तीन मिनट 59.4 सेकेंड में पूरी की थी। चार मिनट के बैरियर को पार करने के बावजूद ब्रिटेन के इस दिग्गज धावक ने कहा था कि उन्हें इससे अधिक खुशी 1954 वैंकुवर राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतकर मिली। उन्होंने तब आस्ट्रेलिया के अपने कट्टर प्रतिद्वंद्वी जान लैंडी को हराया था। बैनिस्टर ने 2014 में कहा था, 'मेरा मानना है कि ओलंपिक और राष्ट्रमंडल खेलों में दौड़ना रिकार्ड तोड़ने से ज्यादा महत्वपूर्ण है।'

मैसी ने दागा करियर का 600 वां गोल, बार्सिलोना जीता

कैम्प नाउ। अर्जेंटीना के करिश्माई फुटबॉलर लियोनेल मैसी ने अपने करियर का 600 वां गोल दागकर नया रिकॉर्ड कायम कर दिया है। मैसी के इस रिकॉर्ड गोल की बदौलत स्पेनिश क्लब बार्सिलोना ने ला लीगा के एक मुकाबले में एटलेटिको मैड्रिड को 1-0 से हरा दिया। यहां अपने घरेलू मैदान पर खेल रही बार्सिलोना के लिए मैसी ने मैच के 26 वें मिनट में गोल दागा जो उनके करियर का ओवरआल 600 वां और बार्सिलोना की ओर से खेलते हुए 539 वां गोल था। मैसी अपनी राष्ट्रीय टीम अर्जेंटीना के लिए 61 गोल कर चुके हैं। इस जीत के साथ ही बार्सिलोना ने लगातार आठ मैच जीतते आ रही एटलेटिको मैड्रिड के विजय अभियान को भी थाम दिया। बार्सिलोना 27 मैचों में 69 अंकों के साथ शीर्ष पर है जबकि एटलेटिको इतने ही मुकाबलों में 61 अंक लेकर दूसरे नंबर पर है। रियाल मैड्रिड 54 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर मौजूद है।

बैडमिंटन में प्रशासनिक सुधार संबंधी याचिका पर बाई को नोटिस

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने क्रिकेट की तरह बैडमिंटन में भी प्रशासनिक सुधार संबंधी याचिका पर भारतीय बैडमिंटन संघ (बाई) को सोमवार को नोटिस जारी किया। मुख्य न्यायाधीश दीपक मिश्रा, न्यायमूर्ति ए एम खानविलकर और न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ की पीठ ने वरिष्ठ वकील एवं पूर्व कानून मंत्री शांति भूषण की याचिका पर बाई को नोटिस जारी करके जवाब मांगा है। भूषण ने अपनी याचिका में कहा है कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की तरह ही बाई में भी लोढा समिति की सिफारिशों को लागू किया जाये। याचिका में नेताओं और सरकारी पद पर बैठे लोगों को खेल संघ से अलग करने की मांग की गई है। असम के मंत्री हेमंत बिस्वा सरमा फिलहाल बाई के अध्यक्ष हैं। याचिका में सरमा को बाई के अध्यक्ष पद से हटाने की मांग की गई है। याचिकाकर्ता की दलील है कि देश भर में समान खेल नीति होनी चाहिए और राजनेताओं को खेल संघों से दूर रहने के लिए दिशानिर्देश दिए जाने चाहिए। शीर्ष अदालत ने 18 जुलाई 2016 को बीसीसीआई में न्यायमूर्ति आर एम लोढा समिति की अनुशंसाओं को लागू करने का निर्देश दिया था। न्यायालय के आदेश के मुताबिक बीसीसीआई में न तो मंत्री और न ही अधिकारी शामिल हो सकते हैं।

त्रिकोणीय सीरीज की परीक्षा के लिये तैयार भारत के युवा खिलाड़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कोलंबो। रोहित शर्मा की अगुवाई में भारत की युवा टीम त्रिकोणीय निधास ट्वेंटी20 कप के शुरूआती मैच में श्रीलंका से भिड़ेगी जिसमें इन खिलाड़ियों का लक्ष्य अगले साल होने वाले विश्व कप के लिये चयनकर्ताओं की नजरों में बने रहने का होगा। इस सत्र में भारत ने श्रीलंका के खिलाफ अपनी और उसकी सरजमीं पर 18 अंतरराष्ट्रीय (छह टेस्ट, आठ वनडे और चार टी20) मैच खेले हैं।

बांग्लादेश इस सीरीज में तीसरी टीम है। हालांकि भारत के छह शीर्ष खिलाड़ियों को आराम दिया गया है जिससे युवा खिलाड़ियों के पास खुद को साबित करने का यह अच्छा मौका होगा। रिषभ पंत, दीपक हुड्डा और मोहम्मद सिराज टीम में शामिल हैं जो अगर इसमें नहीं होते तो अपनी संबंधित आईपीएल टीमों के शिविरों में इस लीग के शुरू होने का इंतजार कर रहे होते। जिन खिलाड़ियों को मैच में खेलने का मौका मिलेगा, उनका लक्ष्य सिर्फ एक ही होगा कि वे इस मौके का पूरा फायदा उठा सकें क्योंकि आईसीसी विश्व कप से पहले उन्हें इतने मौके नहीं मिलेंगे जिसमें बस 16 महीने का समय बचा है।

हालांकि यह टी20 टूर्नामेंट है लेकिन वे अच्छे प्रदर्शन से राष्ट्रीय चयन समिति को आकर्षित कर सकते हैं जो मध्यक्रम में सीमित बल्लेबाजी स्थान और शायद रिजर्व तेज गेंदबाजों के लिये उनके नाम पर विचार कर सकते हैं। ज्यादातर मौकों पर भारतीय टीम ने श्रीलंका को पस्त किया है और कार्यवाहक कप्तान रोहित शर्मा के पास ट्राफी घर लाने के कई कारण दिखते हैं।

रोहित दक्षिण अफ्रीका दौरे के खराब प्रदर्शन के बाद फार्म में वापसी को बेताब होंगे। वह अफ्रीकी दौरे पर एक वनडे में केवल ही सैकड़ा जड़ सके थे। प्रेमदासा स्टेडियम में रोहित अपने जोड़ीदार शिखर धवन के साथ शानदार प्रदर्शन करना चाहेंगे। सुरेश रैना फिटनेस और फार्म संबंधित मुद्दों के कारण करीब एक साल तक टीम से बाहर रहे, लेकिन वह वापसी के बाद धीरे धीरे तीसरे नंबर के हिसाब से ढल रहे हैं और सूरंगा लकमल, दुष्मंत चामीरा और दासुन शनाका की तेज गेंदबाजी तिकड़ी से उन्हें ज्यादा समस्या नहीं होगी।

वहीं प्रतिभाशाली लोकश राहुल को अगर टीम प्रबंधन पारी का आगाज करने के लिये नहीं चुनता है तो रैना की टीम में वापसी से उन्हें चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करनी पड़ सकती है। मनीष पांडे भी काफी समय से अपनी दावेदारी पेश कर रहे हैं। उन्हें जो भी सीमित मौके दिये गये हैं, उसमें उन्होंने खुद को साबित किया है। दिनेश कार्तिक के पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करने और विकेटकीपिंग करने की उम्मीद है जिससे छठे स्थान के लिये द्वंद्व दीपक हुड्डा और रिषभ पंत के बीच होगा। प्रेमदासा में दूधिया रोशनी में विकेट धीरे धीरे धीमा ही होगा, वाशिंगटन सुंदर और युजवेंद्र चहल दो स्पिनर विकल्प हैं।

शार्दुल ठाकुर ने दक्षिण अफ्रीका में प्रभावित किया था, उनके जयदेव उनादकट के साथ नयी गेंद से गेंदबाजी करने की उम्मीद है। यह देखना दिलचस्प होगा कि भारत एक अतिरिक्त तेज गेंदबाज या एक आल राउंडर रखने का विकल्प चुनता है। अगर टीम एक अतिरिक्त तेज गेंदबाज चुनती है तो मोहम्मद सिराज इसमें शामिल हो सकते हैं या फिर तमिलनाडु के आल राउंडर विजय शंकर को जगह मिलेगी। अगर अतिरिक्त स्पिनर की जरूरत होगी तो अक्षर पटेल विकल्प हैं।

उम्मीद है कि मुख्य कोच रवि शास्त्री उस खिलाड़ी को नहीं खिलायेंगे जो टीम प्रबंधन की भविष्य (विश्व कप की) की योजनाओं में शामिल नहीं होगा। पिछली बार जब भारत श्रीलंका में खेला था तो उन्होंने सभी प्रारूपों में 9-0 से वाइटवाश किया था लेकिन इस बार यह इतना आसान नहीं होगा। श्रीलंका ने हाल में बांग्लादेश में त्रिकोणीय वनडे टूर्नामेंट जीता है और इससे टीम के खिलाड़ी आत्मविश्वास से भरे होंगे।

दिनेश चांदीमल, उपुल थरंगा, कुसाल मेंडिस, कुसाल परेरा सभी प्रतिभावान हैं लेकिन पिछले कुछ समय से अच्छा नहीं कर सके हैं। लकमल, चामीरा, शनाका और रहस्यमयी स्पिनर धनंजय को मजबूत बल्लेबाजी लाइन अप के खिलाफ बेहतर गेंदबाजी करनी होगी।

टीमें इस प्रकार हैं

भारत: रोहित शर्मा (कप्तान), शिखर धवन (उप कप्तान), केएल राहुल, सुरेश रैना, मनीष पांडे, दिनेश कार्तिक (विकेटकीपर), दीपक हुड्डा, वाशिंगटन सुंदर, युजवेंद्र चहल, अक्षर पटेल, विजय शंकर, शार्दुल ठाकुर, जयदेव उनादकट, मोहम्मद सिराज और रिषभ पंत (विकेटकीपर)।

श्रीलंका: दिनेश चांदीमल (कप्तान), सूरंगा लकमल (उप कप्तान), उपुल थरंगा, धनुष्का गुणतिलक, कुसाल मेंडिस, दासुन शनाका, कुसाल परेरा, तिसारा परेरा, जीवन मेंडिस, इसुरू उदाना, अकिला धनंजय, अमिला अपोन्सो, नुआन प्रदीप, दुष्मंत चामिरा, धनंजय डि सिल्वा।

बांग्लादेश: महमूदुल्लाह (कप्तान), लिटन दास, तमिम इकबाल, सौम्य सरकार मुश्फिकर रहीम, सब्बीर रहमान, मुस्तफिजुर रहमान, रूबेल हुसैन, अबु जावेद, तास्किन अहमद, इमरूल कायेस, नुरूल हसन, मेहदी हसन, अरिफुल हक, नजमुल इस्लाम, अबु हिदर रॉनी।

भारत बनाम श्रीलंका मैच भारतीय समयानुसार शाम सात बजे से शुरू होगा।

आस्ट्रेलिया ने जीता पहला टेस्ट, वार्नर-डिकाक आपस में भिड़े

डरबन (एजेंसी)।

आस्ट्रेलिया ने आज यहां दक्षिण अफ्रीका को पहले टेस्ट क्रिकेट मैच में118 रन से शिकस्त दी लेकिन डेविड वार्नर और क्विंटन डिकाक के बीच झड़प पांचवें और अंतिम दिन के खेल में चर्चा का विषय रही। आस्ट्रेलिया को जीत के लिये केवल एक विकेट की दरकार थी उसने 18 मिनट और 22 गेंद के अंदर यह विकेट हासिल कर लिया। जोश हेजलवुड ने डिकाक को पगबाधा आउट किया जिन्होंने83 रन बनाये। दक्षिण अफ्रीका ने सुबह नौ विकेट पर 293 रन से आगे खेलना शुरू किया और उसकी टीम298 रन पर आउट हो गयी। इस जीत से आस्ट्रेलिया ने चार टेस्ट मैचों की श्रृंखला में 1-0 से बढ़त बनायी। मिशेल स्टार्क को मैच में नौ विकेट लेने के लिये मैन आफ द मैच चुना गया।

मैच समाप्त होने से कुछ देर पहले हालांकि एक वीडियो फुटेज के कारण बवाल मच गया जिसमें आस्ट्रेलियाई आक्रामक बल्लेबाज वार्नर को रविवार को खेल के दौरान डिकाक को गुस्से में कुछ कहते हुए दिखाया गया है। वार्नर तब डिकाक की तरफ बढ़ रहे थे लेकिन उनके साथी उन्हें खींचकर अलग ले गये। रिपोर्टों के अनुसार यह घटना तब हुई जब खिलाड़ी चाय के विश्राम के समय अपने ड्रेसिंग रूम में लौट रहे थे। क्रिकेट आस्ट्रेलिया के प्रवक्ता ने बयान में कहा, ''सीए(क्रिकेट आस्ट्रेलिया) डरबन में खिलाड़ियों के बीच की घटना से वाकिफ है। सीए तथ्यों का पता लगा रहा है और तब वह कोई टिप्पणी नहीं करेगा।'' आस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों की इससे पहले दक्षिण अफ्रीका के स्टार बल्लेबाज एबी डिविलियर्स के रन आउट होने पर जश्न मनाने के तरीके के लिये आलोचना हुई थी।

डिविलियर्स सलामी बल्लेबाज एडेन मार्कराम के साथ गफलत के कारण रन आउट हुए थे। इसमें वार्नर ने अहम भूमिका निभायी थी। आस्ट्रेलियाई उप कप्तान ने इसके बाद अपने साथियों के साथ जश्न मनाया। नाथन लियोन ने गिल्ली गिराने के बाद डिविलियर्स की तरफ गेंद फेंकी और अपने साथियों के साथ जश्न मनाने के लिये दौड़ पड़े। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने आज जारी बयान में टीम मैनेजर मोहम्मद मूसाजी ने कहा, ''यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि इस तरह की घटना हुई और निश्चित तौर पर यह खेल भावना के तहत नहीं थी।'' उन्होंने कहा, ''दिन का खेल समाप्त होने के बाद मैच रेफरी ने हमसे बात की। हम इस घटना को लेकर आईसीसी से आगे के संवाद का इंतजार करेंगे।'' दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान ग्रीम स्मिथ ने भी आस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों के व्यवहार की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि लियोन अनुभवी खिलाड़ी हैं और उन्हें कहना चाहिए कि'' यह(उनका जश्न का तरीका) गैर जरूरी था।''

स्कॉटलैंड ने अफगानिस्तान को हराया, कैलम ने जड़े नाबाद 157 रन

बुलावायो (एजेंसी)।

मध्यक्रम के बल्लेबाज कैलम मैकलीयोड की नाबाद 157 रन की पारी और रिचर्ड बैरिंगटन (67 रन और तीन विकेट) के हरफनमौला खेल के बूते स्कॉटलैंड ने आईसीसी विश्व कप क्वालीफायर्स ग्रुप बी के मैच में यहां अफगानिस्तान को सात विकेट से हराकर उलटफेर किया। टास हार कर पहले बल्लेबाजी करने उतरी अफगानिस्तान की टीम 49-4 गेंद में 255 रन पर ऑल आउट हो गयी। इस लक्ष्य को स्कॉटलैंड ने 16 गेंद बाकी रहते हासिल कर लिया।गेंदबाजी में विश्व रैंकिंग में पहले स्थान पर काबिज अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान इस मैच में कोई प्रभाव नहीं छोड़ सके उन्होने नौ ओवर में 68 रन देकर एक विकेट झटका। मैन ऑफ द मैच मैकलीयोड ने अपनी 146 पारी में एक छक्का और 23 चौक्के लगये। 21 रन पर दो विकेट गिरने के बाद उन्होंने तीसरे विकेट के लिए बैरिंगटन के साथ 207 रन की साझेदारी की।

बैरिंगटन ने इससे पहले गेंदबाजी में भी कमाल दिखाते हुए 42 रन देकर तीन विकेट झटके। ब्रेड व्हील को तीन और सफयान शरीफ को दो सफलता मिली। इससे पहले मोहम्मद नबी (92) और नबीबुल्ला जदरान (67) के बीच 149 रन की साझेदारी के दम पर अफगानिस्तान एक समय बड़े लक्ष्य की ओर बढ़ रहा था लेकिन 42 वें ओवर में लगातार दो गेंद पर दोनों के आउट होते ही पारी बिखर गयी।

महेन्द्र सिंह धोनी गेमिंग प्लेटफार्म के ब्रांड एंबेसडर बने

मुंबई। भारतीय टीम को 2011 विश्व कप में विजेता बनाने वाले कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी गेमिंग प्लेटफार्म ड्रीम11 के ब्रांड दूत बने। इसकी घोषणा की गयी। मीडिया विज्ञप्ति के मुताबिक, '' ड्रीम11 के यूजर धोनी की तरह ही खेल (क्रिकेट) के धुरंधर बनना चाहते हैं। यह देखते हुए धोनी इसके ब्रांड दूत के लिए बिल्कुल उचित है।'' अपनी कप्तानी में देश को 2007 में शुरूआती टी20 विश्व कप विजेता बनाने वाले धोनी ने कहा, ''मैं ड्रीम11 से जुड़ कर काफी खुश हूं क्योंकि यह खेल के लाखों प्रशंसकों को फैसला लेने, टीम का गठन और खेल का अनुभव लेने का मौका देगा।'' फिलहाल इस प्लेटफार्म पर दो करोड़ से ज्यादा खेल के प्रशंसक है जो 'फैंटेसी क्रिकेट, फुटबाल, कबड्डी और एनबीए'' जैसे खेल खेलते हैं।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टीम की अगुवाई करेंगी अनुजा पाटिल

नयी दिल्ली। ऑफ स्पिनर अनुजा पाटिल को भारत दौरे पर आने वाली ऑस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीम के खिलाफ अभ्यास मैच के लिए भारत ए टीम का कप्तान चुना गया है। यह अभ्यास मैच छह और आठ मार्च तक मुंबई में खेला जाएगा। पाटिल टी20 विशेषज्ञ है, उन्होंने देश के लिए 27 मैच खेले है। ऑस्ट्रेलियाई टीम आईसीसी महिला एकदिवसीय चैम्पियनशिप के मैचों के लिए भारत दौरे पर आ रहीं है। दोनों देशों के बीच वडोदरा में 12 से 18 मार्च तक तीन एकदिवसीय मैच खेले जाएगें।

भारत ए टीम- अनुजा पाटिल (कप्तान), प्रिय पूनिया, सारिका कोहली, दयालन हेमलता, नेहा तंवर, तनुश्री सरकार, निशु चौधरी, कविता पाटिल, मेघना सिंह, शांति कुमारी, नुजहत परवीन, टी-पी- कंवर, प्रीति बोस और एस आशा।

धवन को 'आराम' देने पर गावस्कर का एतराज, कहा रोहित शर्मा को क्यों...

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय क्रिकेट टीम श्रीलंका में टी20 ट्राई सीरीज खेलने के लिए पहुंच चुकी है। लेकिन इस टीम में कई दिग्गज खिलाड़ियों को आराम दिया गया है, जिसमें खुद कप्तान विराट कोहली और सबसे अनुभवी एम एस धौनी शामिल हैं। इनकी जगह कई युवा खिलाड़ियों को मौका मिला है, लेकिन एक बार फिर शिखर धवन को 'आराम' देने को लेकर सवाल खड़े हो गए। भारत के पूर्व दिग्गज क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने धवन के सिलेक्शन को लेकर रोहित शर्मा को ही घेर लिया।

भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने धवन का बचाव करते हुए कहा, 'बार-बार धवन पर ही तलवार क्यों लटकती है, कोई रोहित शर्मा को क्यों कुछ नहीं कहता।' एक मैग्जीन में लिखे अपने कॉलम में सुनील गावस्कर ने कहा कि लगातार अच्छा परफॉर्म करने वाले कुछ खिलड़ियों को टीम में जगह नहीं दी जाती, वहीं कुछ ऐसे खिलाड़ी भी हैं जिन पर सिलेक्टर्स ज्यादा मेहरबान नजर आते हैं। बता दें कि मयंक जो कि ओपनर के तौर पर खेलते हैं, उनके सिलेक्ट न होने को लेकर पिछले दिनों काफी चर्चाएं हुईं। गावसकर का कहना है कि धवन को बाहर रखकर मयंक को खिलाने की सलाह देना ठीक नहीं है।

गावस्कर ने अपने कॉलम में लिखा कि दक्षिण अफ्रीका के कठिन दौरे से लौटने के बाद कई खिलाड़ियों को आराम देना समझ आता है

गावस्कर ने अपने कॉलम में लिखा कि दक्षिण अफ्रीका के कठिन दौरे से लौटने के बाद कई खिलाड़ियों को आराम देना समझ आता है

गावस्कर ने अपने कॉलम में लिखा कि दक्षिण अफ्रीका के कठिन दौरे से लौटने के बाद कई खिलाड़ियों को आराम देना समझ आता है। उन्होंने कहा कि लोग मयंक अग्रवाल को टीम शामिल करने की वकालत कर रहे हैं, लेकिन उससे पहले शिखर धवन को लेकर बात होनी चाहिए।

सुनील गावस्कर ने लिखा, 'मैं ये जानना चाहता हूं धवन क्यों और रोहित क्यों नहीं? रोहित ने दक्षिण अफ्रीका में शिखर से ज्यादा मैच खेले। एक पल भी किसी ने रोहित को आराम दिए जाने की वकालत नहीं की। जैसे ही किसी को टीम से बाहर करने की बात होती है तो धवन का नाम सबसे ऊपर आ जाता है।' बता दें कि इसके साथ ही उन्होंने इस सीरीज में शामिल किए गए मोहम्मद सिराज, ऋषभ पंत और दीपक हुड्डा जैसे युवाओं के लिए कहा कि ये उनके लिए बेहतरीन मौका है।

राष्ट्रीय लघुमती कमिशन की बैठक

लघुमती समाज के उत्थान हेतु केन्द्र तथा राज्य सरकार कटिबद्ध : सुनील सिंधी

सूरत। केन्द्र सरकार के राष्ट्रीय लघुमती कमिशन के सदस्य सुनील सिंधी की अध्यक्षता में कलेक्टर कचहरी के सभाखण्ड में लघुमती समाज के अग्रणियों एवं अमलीकरण अधिकारियों के संग एक बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर नेशनल कमिश्नर फॉर माइनॉरिटीज के सदस्य वाडा दस्तूर खुर्शीद के. दस्तूर भी उपस्थित थे।

इस दौरान सुनील सिंधी ने कहा कि सभी समाजों के बीच शांति और सलामती के साथ सौहार्दपूर्ण वातावरण का निर्माण हो, समाज संगठित रहे और एक परिवार के सदस्यों की तरह संगठित होकर विकास के मार्गों पर आगे बढ़ने के लिए सतत प्रयत्नशील हों, यह आवश्यक है। प्रधानमंत्री के सबका साथ, सबका विकास सूत्र को अपना कर सभी का विकास हो, इसके लिए सभी साथ मिलकर कार्य करें, ऐसा सिंधी ने अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि केन्द्र और राज्य सरकार लघुमती समाज के उत्थान हेतु कटिबद्ध है। लघुमती समाज को आगे ले जाने के लिए सरकार की अनेक योजनाएं अमल में है, जिसका सभी लाभ लें, ऐसा सुनील सिंधी ने आग्रह किया।

बीमारी से परेशान होकर अधेड़ ने लगाई फांसी

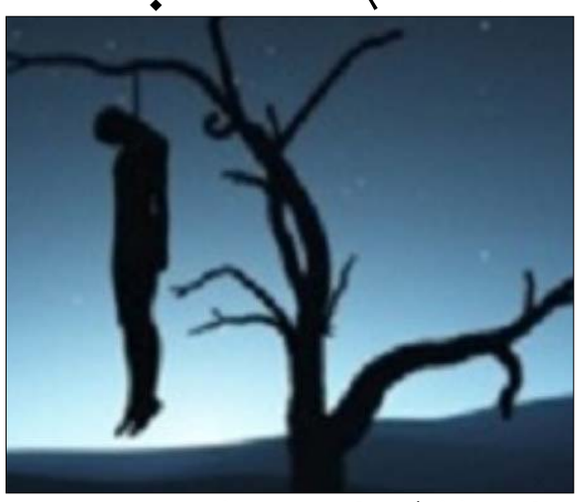

सूरत। उधना मगदल्ला रोड अलथाण पुलिस चौकी के पास स्थित झोपडपट्टी में एक अधेड़ ने बवासीर की बीमारी से परेशान होकर फांसी लगा आत्महत्या कर ली।

प्राप्त जानकारी के अनुसार उधना मगदल्ला रोड के बगल झोपड़पट्टी नंद सोसाइटी घर नं. 54 में रहने वाले संतोष व्यंकटेशभाई पाटिल (55 वर्ष) पिछले काफी समय से बवासीर की बीमारी से पीड़ित थे। इस बीमारी से त्रस्त होकर संतोषभाई ने रविवार को अपने घर में सीमेंट के पतरे में लगे एंगल के साथ कपड़ा बांधकर फांसी पर झूल गए। घटना की जानकारी होने पर खटोदरा पुलिस स्थल पर पहुंचकर मामले की जांच कर रही है।

सलाबतपुरा में चार मंजिली इमारत झुकने से लोगों में भय का माहौल

सूरत। शहर के सलाबतपुरा क्षेत्र बक्षी की वाड़ी के पास स्थित चार मंजिली इमरात अचानक झुक गई। जिसके कारण वहां रहने वाले लोगों में भय का माहौल छा गया। इसकी जानकारी होते ही फायर ब्रिगेड की टीम स्थल पर पहुंचकर बिल्डिंग में फंसे लोगों को बाहर निकाल लिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार सलाबतपुरा के बक्षी की वाड़ी के पास स्थित नूरानी बिल्डिंग अचनाक झुक गई। यह चार मंजिली इमारत करीब 40 साल पुरानी है और इसमें कई जगहों पर टेका लगाया गया है। गत रोज बिल्डिंग जब अचानक एक तरफ झुक गई तो उसे किसी भी समय धराशायी होने की आशंका के चलते लोगों में भय पैदा हो गया। जिसके कारण फायर ब्रिगेड स्थल पर पहुंच कर मकान में रहने वालों को बाहर करके खाली करा दिया। मकान में रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया है।

कपड़ा मार्केट में ग्राहकी की रौनक के बावजूद व्यापारी हतोत्साहित

सूरत। टेक्सटाइल्स मार्केट में होलाष्टक पूर्ण होने के बावजूद बाजार में निराशा का माहौल है। व्यापारियो की भरपूर उम्म्मीद थी कि अब तो कपड़ा मार्केट परवान चढ़ेगा ,लेकिन कपड़ा बाजार में फीकी रौनक से व्यापारियो के उल्लास में मायूसी है। व्यापारी की धारणा के अनुसार व्यापार नहीं हो रहा है। पैसठ हजार दुकाने ,चार लाख पावरलूम मशीने और ४५० प्रोसेसिंग हाउस का व्यापार भगवान के भरोसे पर चल रहा है। मंदी की मार झेल रहे व्यापारी ,वीवर्स और प्रोसेसिंग यूनिटो का भविष्य अंधकारमय है। उधोगपति और व्यापारियों की विश्वनीयता दीर्घकालीन ग्राहकी पर है। जीएसटी के बाद मार्केट पटरी पर नहीं आया है । जीएसटी के सरलीकरण के बाद कपड़ा उधोग में व्यापरियों की हताशा दूर हुई थी । टेक्सटाइल मार्केट के व्यापारी मीठालाल कछारा ने बताया कि कपड़ा बाजार में ऐसी कोई मंदी नहीं है, जिसका रोना व्यापारी रो रहे है। उपलक धंधा बंद हो जाने से व्यापार पर असर पड़ा है। परन्तु अलग अलग मंडी की ग्राहकी चलती रहती है। जिस राज्य में ग्राहकी तेज है ,उस मंडी के व्यापारी के पास उम्मीद से ज्यादा ग्राहकी है। उनको खाना खाने की भी फुरसत नहीं है। अभी उड़ीसा और कोलकात्ता की मंडी में अच्छी ग्राहकी है और उस मंडी से जुड़े व्यापारियों को व्यापार बहुत हो रहा है। लोकापवाद की माने तो कपड़ा बाजार में जिस मंडी की ग्राहकी है ,उस राज्य में करोड़ो रूपये का माल भेजा जा रहा है। पार्सले भरी जा रही है। इतना जरूर है कि ओरल मंदी के कारण नौकरीपेशा को तकलीफ का सामना करना पड रहा है। नई वैरायटी के बावजूद कोई व्यापारी पूछ परच के लिए भी दुकान में नहीं आता है। रिंगरोड की मनीष मार्केट ,श्याम और टेक्सटाइल्स गोडाउन के बाद बॉम्बे मार्केट और न्यू बॉम्बे मार्केट में रिटेल की सामान्य ग्राहकी है। व्यापारियों का मुखमंडल खिला हुआ है। उल्लेखनीय है कि बॉम्बे मार्केट में एफ रो तक ही ग्राहकी है ,उसके बाद पीछे ग्राहकी का अभाव है। ग्राहकों की कमी के कारण आगे से साडिया और ड्रेसमटेरियल खरीद कर ग्राहक वापस लौट जाते है। व्यापारी को अनुमान है कि इतनी मंदी के बावजूद दूरगामी परिणामो की आशा रखे हुए है। सूरत का कपड़ा उद्योग सिरमौर कहे जाने वाला आज मंदी की मार से गुजर रहा है। धीरे-धीरे कपड़ा उधोग की स्थित सुधरती है तो देश के लिए सुखदायी समाचार होगा। व्यापारियों का टूटता मनोबल विकेन्द्रीकरण को जन्म देता है। व्यापारियों की विचारधारा बन गई है की अब उधोग रसातल की और चला जाएगा। सुरेशसिंह खोखावत ने संवाददाता को बताया कि मंदी से घबराने की बात नहीं है ,क्योकि भूतकाल में भी व्यापारियों ने लंबी मंदी देखी है। कपड़ा उधोग रिंगरोड में ऐसी भी मंदी नहीं है कि साडिया और ड्रेसमटेरियल को कोई पूछता नहीं है। थोड़ी बहुत ग्राहकी सभी मार्केट में चल रही है। थोक व्यापारी दररोज हजारो पार्सल पैक करके बाहर गांव भेजते है। नतीजतन ,विश्वव्यापी सूरत कपड़ा उधोग भले अभी हाल में सामान्य मंदी के माहौल से गुजर रहा है ,लेकिन अर्थव्यवस्था की बिगड़ी स्थिति को सामान्य होते समय लगेगा। देशावर से पेमेंट समय पर नहीं आने से कपड़ा उधोग में आर्थिक संकट तो रहने ही वाला है। जनश्रुति के अनुसार आगामी लग्न सीजन में अच्छी ग्राहकी चलने की विश्वनीयता पाले हुए है। व्यापरियों की विचारधारा बदल गई है की मोदी ने जीएसटी लगाया और अब सूरत कपड़ा उधोग में कभी भी रौनक आने वाली नहीं हैं। यह सही बात नहीं है। तेजी -मंदी व्यापार के दो पहलू है। व्यापारियों को निष्ठा और नीतिपरायण से काम करना होगा सफलता अपने आप मिलेगी। गिरनार लॉजिस्टिक प्राइवेट लिमि के मालिक अग्रवाल ने बताया की हमारी पचास साल से ज्यादा से ट्रांसपोर्ट की सेवा व्यापरियों को दे रहे है ,लेकिन हमने जीएसटी के बाद भी कोई मंदी या कम पार्सल आना जैसी परिस्थिति नहीं देखी। अग्रवाल ने बताया कि हमारे पास एमपी ,छतीसगढ़ ,ओड़िसा ,महाराष्ट्र और कर्नाटका की डेली सर्विस है। इन राज्यों में दो तीन राज्य में मंदी रहती है ,तो अन्य राज्य में तेजी रहने के कारण हमारे पास नियमित पार्सल आते ही रहते है।

१५२ शेर की प्राकृतिक, ३२ की अप्राकृतिक मौत हुई

पिछले दो वर्ष में १८४ शेर की मौत का सरकार ने गृह में किया स्वीकार

सूरत, गुजरात राज्य में पिछले दो वर्ष में १८४ शेर, शेरनी की कुल मौत दर्ज होने की चौंकानेवाली जानकारी सोमवार को राज्य सरकार द्वारा विधानसभा गृह में स्वीकार किया गया था। राज्य में कुल १८४ शेर की कुल मौत आंकड़े में १५२ शेर की प्राकृतिक मौत हुई है, ज बकि बाकी के ३२ शेर, शेरनी की अप्राकृतिक तरीके से मौत हुई होने की जानकारी सामने आयी है।

यह वास्तव में गंभीर और चिंताजनक बात है क्योंकि, टाइगर्स और शेर की प्रजाति की सुरक्षा करना बहुत बड़ी जिम्मेदारी राज्य सरकार पर है। गुजरात विधानसभा गृह में कांग्रेस के दरियापुर विधायक ग्यासुद्दीन शेख के प्रश्न का उत्तर देते हुए राज्य के वन और पर्यावरण मंत्री गणपत वसावा ने यह जानकारी दी थी।

वन और पर्यावरण मंत्री गणपत वसावा ने अपने लिखित जवाब में बताया है कि, राज्य में पिछले दो वर्ष में शेर, शेरनी मिलाकर कुल १८४ शेर की मौत रजि स्टर्ड हुई है। जिसमें २०१६ में १०४ और २०१७ में ८० शेर की मौत की घटना सामने आयी है।

पिछले दो वर्ष में सबसे ज्यादा मौत ७४ शेरनी और ७१ शेर की मौत रजिस्टर्ड हुई है। पिछले दो वर्ष में १५२ शेर, शेरनी की प्राकृतिक मौत हुई है। जिसमें २०१६ में सबसे ज्यादा ९२ शेर की मौत हुई थी। जबकि २०१६ और २०१७ में कुल ३२ शेर, शेरनी की अप्राकृतिक मौत सामने आयी थी। जो मौत आंकड़ा में २०१६ में १२ और २०१७ में २० शेरनी की मौत शामिल है। यदि २०१६ और २०१७ के शेरों की कुल मौत आंकड़ा की बात करे तो, ३२ शेर, ५७ शेरनी की प्राकृतिक मौत हुई है। जबकि अप्राकृतिक मौत में पिछले दो वर्ष में ७ शेर, १७ शेरनी शामिल है।

वनमंत्री द्वारा शेर, शेरनी की अप्राकृतिक मौत को रोकने के लिए सरकार द्वारा की गई व्यवस्था के मामले में जवाब देते हुए वनमंत्री ने बताया है कि, गीर अभ्यारण्य और आरक्षित क्षेत्र के निकट स्थित रेवन्यु क्षेत्र में खुले कुंआ और चारों तरफ छोटी दीवार बनायी गई है।

राज्य के डीजीपी के निर्देश के अनुसार कार्रवाई

शहरभर में शराब-जुआ के अड्डे पर पुलिस की कार्रवाई

***अहमदाबाद,** राज्य के नये पुलिस प्रमुख शिवानंद झा ने चार्ज संभालने के साथ ही राज्य में नशाबंदी को लागू करने के लिए सूचना दे दी गई है। कानून व्यवस्था बरकरार रहे और नशाबंदी को लागू करने पर उन्होंने विशेष जोर दिया गया है। राज्य में नशाबंदी और जुआ की प्रवृत्ति बंद कराने के लिए गत दिन दोपहर से आज सुबह तक स्पेशियल ड्राइव का आयोजन करने के लिए पुलिस प्रमुख ने आदेश दिया था। जिसकी वजह से अहमदाबाद पुलिस ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में चल रहा शराब और जुआ के अड्डे पर छापेमारी की गई थी। १५ घंटे की ड्राइव के दौरान विभिन्न पुलिस स्टेशन में बुटलेगरों के वहां छापेमारी करके कुल १९४ शराब के केस दर्ज किए गए हैं। जबकि ज ुआ के १५ केस दर्ज किए गए हैं। पुलिस ने १९४ से ज्यादा बुटलेगरों को गिरफ्तार किया गया है। राज्य में नशाबंदी और जुआ की प्रवृत्ति बंद कराने के लिए गत दिन दोपहर के एक बजे से आज सुबह तक शराब और जुआ की स्पेशियल ड्राइव का आयोजन किया गया था। पुलिस प्रमुख के स्पेशियल ड्राइव के परिपत्र के आदेश में बुटलेगरों के वहां छापेमारी करके और असरकारक कामकाज बताने के लिए स्पष्ट बताया गया था। अहमदाबाद पुलिस ने शहर के अधिकतर पुलिस स्टेशनों में बुटलेगरों के वहां छापेमारी करके १५ घंटे की स्पेशियल ड्राइव के दौरान पीसीबी क्राइम ब्रान्च, स्थानीय पुलिस ने कुल १९४ शराब के केस किए गए थे। जिसमें १० विदेशी शराब के केस दर्ज किए गए हैं।*

डिंडोली में पावभाजी की लारी पर करंट लगने से तीन की मौत

सूरत। शहर के डिंडोली क्षेत्र में पावभाजी की लारी पर बिजली का करंट लगने से तीन लोगों की मौत होने की हृदय विदारक घटना होने से क्षेत्र में शोक छा गया है। बताया जाता है कि रात के समय लारी की सफाई करते समय तीनों को करंट लगा और गंभीर रूप से झुलस जाने से मौत हो गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार शहर के डिंडोली क्षेत्र कैलाश रेजीडेंसी के पास गणेश रावत और राजू जाट उमिया पावभाजी की लारी पर काम करते थे। गत रोज देर रात को लारी बंद करके उसकी सफाई कर रहे थे। तभी वहां समीप में काम करने वाले शिवा को भी अपने पास बुला लिया। सफाई करते समय अचानक करंट लगने से तीनों युवकों की स्थल पर ही मौत हो गई।

फास्टफूड की रेंकडी की सफाइ करते समय करंट लगने से तीन युवकों की मौत

सुरत। शहर के डिंडोली इलाके में खरवासा रोड पर फास्टफूड की रेंकडी की सफाइ करते समय बिजली का करंट लगने से तीन युवकों की मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरु की है। सुरत शहर के डिंडोली इलाके में कैलास रेसीडेन्सी के पास गणेश रावत और राजु जाट नामक दो युवक उमिया फास्टफूड की रेंकडी पर काम करते थे। रविवार को देर रात्रि तक काम करने के बाद रेंकडी की सफाई का कार्य चल रहा था। इस दौरान उन्होंने पास की सोडा की दुकान में काम कर रहे शिवा नामक युवक को भी बुला लिया। तीनों युवक सफाई कर रहे थे। इस दौरान अचानक पानी में बिजली का करंट लगने से तीनों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने तत्काल घटनास्थल पहुंचकर तीनों युवकों के शव को पोस्टमोर्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने युवकों की मौत कैसे हुई इस दिशा में जांच शुरु कर दी है। शहर के डिंडोली क्षेत्र स्थित फास्टफूड के खोमचे पर बिजली का करंट लगने से तीन श्रमिक युवकों की घटनास्थल पर मौत हो गई। डिंडोली पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक सूरत के डिंडोली बस स्टेन्ड के निकट कैलाश रेसिडेन्सी एपार्टमेंट में श्रीउमियाजी फास्टफूड नामक खोमचा है। जहां बीती रात करीब पौने बारह बजे सफाई कर रहे दो श्रमिक युवकों समेत तीन युवकों को बिजली करंट लगा। करंट लगते ही तीनों युवक घटनास्थल पर ही ढेर हो गए। सूचना मिलते ही घटनास्थल एम्ब्युलैंस 108 पहुंच गई, लेकिन तब तक तीनों युवकों की मौत हो चुकी थी। बिजली करंट से जिनकी युवकों की मौत हुई है, उनमें फास्डफूड के खोमचे पर काम करनेवाले राजू और गणेश के अलावा बगल में सोडा बेचने वाले शिवा नामक युवक शामिल है। जानकारी के बाद घटनास्थल पर पहुंची डिंडोली पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की है।

राज्यसभा की 4 सीटों के लिए 23 मार्च को चुनाव

अहमदाबाद। गुजरात में राज्यसभा की 4 सीटों के पर चुनाव का आज ऐलान कर दिया गया। चुनाव तारीख के ऐलान के साथ ही नामांकन पत्र दाखिल करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है, जो आगामी 12 मार्च 2018 तक जारी रहेगी। 13 मार्च को नामांकन पत्रों की जांच की जाएगी और 15 मार्च तक नाम वापस लिए जा सकेंगे। 23 मार्च को मतदान होगा और उसी दिन शाम 5 बजे मतगणना की जाएगी। गुजरात से राज्यसभा सदस्य अरूण जेटली, शंकर वेगड, मनसुख मांडविया और पुरुषोत्तम रूपाला की अवधि पूर्ण हो रही है। अरूण जेटली का राज्यसभा जाना तय है। जबकि अन्य 3 उम्मीदवारों का फैसला भाजपा करेगी। अब तक गुजरात से भाजपा के ये चारों उम्मीदवार राज्यसभा पहुंचे थे, लेकिन विधानसभा चुनाव के बाद हालात बदल गए हैं।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **Tc.No. : GUJHIN00722**, E-mail: krantisamay@gmail.com